वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 73 शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य के लिए जांच और उपचार में लाएं तेजी: श्रीनिवास

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की पालना में प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के प्रयासों को और गति दी जाए। इसके लिए स्क्रीनिंग, जांच और उपचार को सघन करते हुए कमजोर प्रदर्शन वाले जिलों पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा जिला स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय में टीबी मुक्त भारत अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि टीबी की समय पर पहचान के लिए एक्स-रे मशीनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने और न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बेहतर प्रदर्शन करने वाले जिलों की कार्यप्रणाली से सीख लेते हुए अन्य जिलों में भी प्रभावी कार्ययोजना के साथ परिणामों में सुधार लाया जाए। श्रीनिवास ने टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट और डिफरेंशिएटेड टीबी केयर पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टीबी रोगी का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के साथ उसके परिवार के पात्र सदस्यों की स्क्रीनिंग और आवश्यकतानुसार प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव ने टीबी उन्मूलन में जनभागीदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने माय भारत स्वयंसेवकों को अभियान से सक्रिय रूप से जोड़ने, एनसीसी कैडेट्स की ब्लॉक स्तर तक भागीदारी बढ़ाने तथा एएनएम, आशा सहयोगिनी और सीएचओ सहित जमीनी स्तर के स्वास्थ्य कार्मिकों की प्रभावी भूमिका सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टीबी मुक्त राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार कर समयबद्ध रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में वृद्धि

बैठक में प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग गायत्री राठौड़ ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अभियान की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में 29 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई थीं। यह संख्या वर्ष 2023 में बढ़कर 586, वर्ष 2024 में 3,350 तथा वर्ष 2025 में 6,547 तक पहुंच गई।

प्रदेश में 2 करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हुई

गायत्री राठोड़ ने बताया कि अभियान के तहत प्रदेश में 2 करोड़ 38 लाख 43 हजार 583 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है तथा टीबी रोगियों को 2 लाख 4 हजार 888 पोषण किट वितरित की गई हैं। वर्ष 2026 में एक्स-रे उपयोग लक्ष्य के मुकाबले 83 प्रतिशत तक पहुंचा है। राठोड़ ने बताया कि प्रदेश में टीबी जांच के लिए 643 एनएएटी लैब, 132 हैंड-हेल्ड एक्स-रे यूनिट और 652 फिक्स्ड एक्स-रे मशीनें उपलब्ध हैं। अभियान के दौरान 3 लाख 29 हजार से अधिक एनएटी टेस्ट और 35 लाख 87 हजार से अधिक एक्स-रे किए गए हैं। बैठक में एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगा राम सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों की एंट्री पर बैन का विरोध

कांग्रेस ने निकाला पैदल मार्च, पुलिस से झड़प

विधानसभा गेट पर विपक्षी सांसदों ने दिया धरना, सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों की एंट्री पर बैन और जर्जर स्कूल भवनों की हालत को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को पैदल मार्च निकाला। राजस्थान विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने से पहले कांग्रेसी विधायकों और कार्यकर्ताओं ने मूक-बधिर पोद्दार स्कूल से विधानसभा तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान पुलिस ने पैदल मार्च रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। लेकिन, कुछ विधायक बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पैदल मार्च में शामिल विधायकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे, जो बैरिकेडिंग पार करके विधानसभा की ओर बढ़े। पहली बार ऐसा हुआ कि प्रदर्शनकारी विधानसभा के पास पहुंच गए। इस दौरान पुलिस ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को विधानसभा की ओर जाने से रोका। तभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हल्की झड़प हुई। कुछ देर चले हंगामे के बाद सिर्फ कांग्रेसी विधायक ही पैदल मार्च के रूप में विधानसभा की ओर आगे बढ़े। फिर राजस्थान विधानसभा के बाहर धरने पर बैठ गए। वहीं, मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक का दर्जा देने की मांग को लेकर बाप विधायकों ने विधानसभा के बाहर विरोध-प्रदर्शन किया। दरअसल, शिक्षा विभाग की ओर से राजस्थान के 70 हजार से अधिक सरकारी स्कूलों में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। ऐसे में सरकारी स्कूलों के जर्जर भवन, घटिया पोषाहार, मोबाइल देखते स्टाफ और खाली पड़ी कक्षाओं की खबरें और फोटो-वीडियो आमजन

तक नहीं पहुंचेंगी। क्योंकि स्कूलों की खामियां दूर करने के बजाय सरकार ने उन्हें छिपाना चाहती है। इसी आदेश का कांग्रेस का विरोध कर रही है।

दिगम्बर जैन महासमिति का 12वां मासिक पूजन विधान श्रद्धा एवं भव्यता के साथ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिलांचल राजस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को श्री दिगम्बर जैन मंदिर बगरू वालों, स्टेशन रोड, जयपुर में 12वां मासिक पूजन विधान श्रद्धा, भक्ति एवं धार्मिक उल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6:30 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रातः 7:30 बजे श्री आदिनाथ विधान का विधिवत आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान जिनेंद्र देव की पूजा-अर्चना की और विधान में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। महिलांचल राजस्थान की अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला बिंदायका, मंत्री श्रीमती सुनीता जैन, कोषाध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन एवं संरक्षक शशि सोगानी सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में मुख्य समन्वयक राजेश बड़जात्या तथा अंचल कार्याध्यक्ष का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग रहा। आयोजन की सफलता में श्री दिगम्बर जैन मंदिर बगरू वालों के अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया, मंत्री नवीन जैन छाबड़ा, कोषाध्यक्ष बाबूलाल बोहरा सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं प्रबंध समिति का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। मासिक पूजन विधान को निरंतर जारी रखने के लिए पूजन संरक्षक प्रेमचंद बाकलीवाल, उमरावमल संघी, विवेक काला, प्रमोद पहाड़िया, शशि सोगानी, श्रीमती निशा शाह एवं सुमन कोटा वाली ने सहमति प्रदान की। भोजन पुण्यार्जक रमेश एवं सुनीता गंगवाल का जन्मदिन के अवसर पर तिलक, माला, दुपट्टा एवं मुकुट पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें अनंत मंगल शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल के अध्यक्ष अनिल जैन आईपीएस, राष्ट्रीय युवा मंत्री मनीष वेद, उपाध्यक्ष यश कमल अजमेरा, निर्मल सरला संघी, सुनील बज, ''शाबाश इंडिया'' के संपादक राकेश गोदिका, महावीर बिंदायका, डॉ. इंद्र कुमार जैन, अंचल कोषाध्यक्ष रमेशचंद सांगानी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। नंदकिशोर, शांतिदेवी, नीना पहाड़िया, पुष्पा बिलाला, सीमा बड़जात्या, सरला संघी, रचना वेद एवं निशा जैन सहित अन्य सदस्यों की भी गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भगवान जिनेंद्र देव की आराधना की। संपूर्ण आयोजन भक्ति, श्रद्धा, अनुशासन एवं धार्मिक वातावरण से परिपूर्ण रहा। आयोजकों ने सभी सहयोगियों, श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

सम्मेद शिखर जी में 12 हजार तीर्थयात्रियों की सेवा

पार्श्वनाथ प्रभु के मोक्ष कल्याणक पर अभिषेक, शांतिधारा, पूजन व निर्वाण लाडू अर्पण के साथ सेवा का महायज्ञ संपन्न

सम्मेद शिखर जी.अजय जैन

भगवान श्री 1008 पार्श्वनाथ स्वामी के मोक्ष कल्याणक के पावन अवसर पर तीर्थराज सम्मेद शिखर जी की पवित्र धरा पर अखिल भारतीय श्री दिगंबर जैसवाल जैन (उप.) सेवा न्यास की ओर से सेवा, समर्पण और वात्सल्य का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। न्यास की ओर से करीब 12 हजार तीर्थयात्रियों के लिए वात्सल्य भोज एवं मेडिकल सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं निर्वाण लाडू अर्पित करने का पुण्य लाभ भी श्रद्धालुओं ने प्राप्त किया।

12 हजार तीर्थयात्रियों के लिए वात्सल्य भोज

तीर्थराज की कठिन वंदना के बाद लौटने वाले हजारों श्रद्धालुओं के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई। विभिन्न स्थानों से पहुंचे तीर्थयात्रियों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। सेवा में जुटे कार्यकर्ताओं और न्यासीगण ने आत्मीयता के साथ श्रद्धालुओं की अगवानी कर उन्हें भोजन कराया। सेवानिवृत्त डीजीपी पवन जैन राजाखेड़ा ने कहा कि किसी तीर्थयात्री के चेहरे पर भोजन के बाद दिखाई देने वाली संतुष्टि की मुस्कान ही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार है। सेवा का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि तीर्थयात्रियों के प्रति वात्सल्य और आत्मीयता का भाव प्रकट करना था।

मेडिकल सेवा से यात्रियों को मिली राहत

वात्सल्य भोज के साथ मेडिकल सेवा की भी व्यवस्था की गई। तीर्थयात्रा के दौरान थकान अथवा अस्वस्थता महसूस करने वाले यात्रियों को आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई। कठिन वंदना के दौरान स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रहे श्रद्धालुओं के लिए मेडिकल सेवा राहत का माध्यम बनी। न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी ने कहा कि मोक्षमार्ग की कठिन वंदना के लिए तीर्थराज पहुंचे श्रद्धालुओं की सेवा करना स्वयं में सौभाग्य है। किसी यात्री को चिकित्सा से राहत मिलना और उसके चेहरे पर संतोष दिखाई देना सेवा करने वालों के लिए बड़ी उपलब्धि है।

धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सेवा

आयोजन के दौरान भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं निर्वाण लाडू अर्पित किए गए। सीए कमलेश जैन ने कहा कि पूजा के साथ तीर्थयात्रियों की सेवा करना भक्ति और करुणा का सुंदर संगम है। सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर सेवा का अवसर मिलना सभी के लिए सौभाग्य की बात है। सेवा न्यास के अध्यक्ष प्रदीप जैन पीएनसी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के सेवानिवृत्त डीजीपी पवन जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

विभिन्न शहरों से पहुंचे न्यासी

आयोजन में रवीन्द्र जैन (जमूसर), अजय जैन (धौलपुर), राजकुमार जैन (धौलपुर), गौरव जैन (इंदौर), नरेश जैन (दिल्ली), प्रवीण जैन (दिल्ली), दिलीप जैन (अंबाह), मनीष जैन (शिवपुरी), विपिन जैन (दिल्ली) सहित विभिन्न स्थानों से पहुंचे न्यासीगण एवं धर्मप्रेमी बंधुओं ने सक्रिय सहयोग किया। सीए कमलेश जैन एवं सुदीप जैन (गुरुग्राम) ने कहा कि सम्मेद शिखर जी की पावन भूमि पर करीब 12 हजार तीर्थयात्रियों की सेवा का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि तीर्थयात्रियों के चेहरों पर दिखाई देने वाली संतुष्टि और मुस्कान ने सेवा के आनंद को और बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि मोक्षमार्ग की कठिन वंदना के लिए यहां पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की सेवा करना सामाजिक दायित्व के साथ प्रभु भक्ति का भी एक रूप है। सभी न्यासीगण, धर्मप्रेमी बंधुओं और सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से आयोजन सफल हुआ।

मोक्ष सप्तमी पर दिगंबर जैन समाज में धार्मिक आयोजन, अभिषेक एवं शांतिधारा

ब्यावर. शाबाश इंडिया

बुधवार को मोक्ष सप्तमी के पावन एवं मंगलमय अवसर पर श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया, सूरजपोल गेट बाहर, ब्यावर में विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ की चमत्कारी प्रतिमा का प्रथम अभिषेक एवं प्रथम शांतिधारा करने का परम सौभाग्य श्रेष्ठी सुभाष चंद, शांतिलाल, अनिल, अक्षत एवं राहुल कटारिया परिवार को प्राप्त हुआ। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक एवं शांतिधारा कर सुख-शांति और मंगल की कामना की। वहीं, पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक के मुख्य निर्वाण मोदक चढ़ाने का सौभाग्य श्रेष्ठी लादूलाल, महेंद्र, डॉ. राजीव, डॉ. कल्पना, डॉ. रितिक एवं कनिका जैन कांटीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। विद्यासागर पाठशाला के तत्वावधान में प्रातःकाल पंचायती नसिया में बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से पूजन किया गया। इस दौरान बच्चों को मोक्ष सप्तमी की धार्मिक एवं प्रेरणादायी कथा भी सुनाई गई। उपवास रखने वाले बालक-बालिकाओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके पश्चात दिन में उपवास करने वाले बालक-बालिकाओं के लिए ज्ञानोदय बहू मंडल द्वारा प्रासूक जल एवं खेलकूद की व्यवस्था की गई। मंडल की महिलाओं ने सेवा भावना के साथ उपवास करने वाले बच्चों की सेवा की। इस अवसर पर दिगम्बर जैन पंचायत के मंत्री रितेश फागीवाला एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा सभी का धन्यवाद किया गया। दिगम्बर जैन समाज ब्यावर के प्रवक्ता राकेश जैन ने बताया कि मोक्ष सप्तमी जैन धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन भगवान पार्श्वनाथ सहित मोक्ष प्राप्त करने वाले सिद्ध परमात्माओं का स्मरण एवं आराधना की जाती है। धार्मिक आयोजनों के माध्यम से बच्चों और युवाओं में धर्म, संस्कार, संयम एवं सेवा भावना को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन पंडित घनश्याम शास्त्री ने किया। पूरे आयोजन के दौरान श्री दिगम्बर जैन पंचायत परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक को श्रद्धा, भक्ति और संयम के साथ मनाते हुए धर्मलाभ प्राप्त किया।

राजनीति

जहां बुजुर्ग सम्मानित होते हैं

सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत'

''मातृदेवो भवः, पितृदेवो भवः'' भारतीय संस्कृति का यह अमर संदेश केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का आधार है। हमारे यहाँ माता-पिता और बुजुर्गों को परिवार का मार्गदर्शक, अनुभव का भंडार और संस्कारों का संवाहक माना गया है। उनके चरणों में केवल आयु का सम्मान नहीं, बल्कि जीवन भर के संघर्ष, त्याग, अनुभव और संस्कारों का सम्मान निहित है। यही कारण है कि भारतीय सभ्यता में बुजुर्गों को परिवार की जड़ और समाज की आत्मा कहा गया है। प्रतिवर्ष 21 अगस्त को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, अधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि जिस समाज में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहीं संस्कार, संवेदनाएं और मानवीय मूल्य जीवित रहते हैं। भारत की पारिवारिक व्यवस्था लंबे समय तक संयुक्त परिवार की परंपरा पर आधारित रही है। दादा-दादी और नाना-नानी केवल परिवार के सदस्य नहीं होते थे, बल्कि बच्चों के प्रथम शिक्षक, संस्कारों के संवाहक और अनुभव के जीवंत विद्यालय होते थे। रामायण, महाभारत, उपनिषद और लोककथाओं में भी गुरुजनों और वृद्धजनों के सम्मान को विशेष स्थान दिया गया है। बुजुर्गों के अनुभवों ने पीढ़ियों को दिशा दी, कठिन परिस्थितियों में परिवारों को संभाला और जीवन-मूल्यों को सुरक्षित रखा। आधुनिक जीवनशैली, शहरीकरण और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने सामाजिक संरचना को बदल दिया है। आज अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन, उपेक्षा और असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। जिन हाथों ने बच्चों को चलना सिखाया, वही हाथ कई बार सहारे की प्रतीक्षा करते दिखाई देते हैं। डिजिटल युग ने संवाद को आसान बनाया है, लेकिन विडंबना यह है कि कई परिवारों में आमने-सामने का संवाद कम हुआ है। ऐसे में बुजुर्गों का अकेलापन गंभीर सामाजिक चिंता बन रहा है। किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी युवा आबादी नहीं होती, बल्कि उसके अनुभवी नागरिक भी होते हैं। वरिष्ठ नागरिकों ने संघर्ष, सफलता, असफलता और परिवर्तन के अनेक दौर देखे हैं। उनके अनुभव प्रशासन, शिक्षा, साहित्य, कृषि, उद्योग, विज्ञान, पत्रकारिता और सामाजिक जीवन सहित अनेक क्षेत्रों के लिए अमूल्य हैं।

संपादकीय

भारतीय रेलवे देश की अर्थव्यवस्था और जनजीवन की रीढ़ है। पिछले कुछ वर्षों में रेलवे में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने रेलवे को केवल यात्री और माल परिवहन का माध्यम न मानकर आधुनिक, सुरक्षित और कुशल लॉजिस्टिक्स सिस्टम के रूप में विकसित करने पर जोर दिया है। वर्ष 2026 को 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' अथवा '52 हफ्तों में 52 सुधार' के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में सुरक्षा, क्षमता विस्तार, डिजिटलीकरण और माल ढुलाई से जुड़े कई संरचनात्मक बदलाव किए जा रहे हैं। हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में चार मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। करीब 9,450 करोड़ रुपये की लागत वाली इन परियोजनाओं से लगभग 410 किलोमीटर नई लाइनें जुड़ेंगी। खड़गपुर-भद्रक, भद्रक-हरिदासपुर, गुम्मिडिपुंडी-गुडूर और कटक-पारादीप मार्गों पर तीसरी-चौथी लाइनें बिछने से हावड़ा-चेन्नई हाई डेंसिटी नेटवर्क पर दबाव कम होगा। इससे सालाना करीब 76 मिलियन टन अतिरिक्त माल ढुलाई क्षमता विकसित होगी। साथ ही तेल आयात में कमी और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय बचत होगी। इन परियोजनाओं से हजारों गांवों और लाखों लोगों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलने की उम्मीद है। रेलवे विद्युतीकरण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 2014 से पहले जहां नेटवर्क का सीमित हिस्सा विद्युतीकृत था, वहीं अब ब्रॉड गेज नेटवर्क का लगभग पूरा हिस्सा विद्युतीकृत हो चुका है। इससे डीजल पर निर्भरता घटने के साथ विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला है। सुरक्षा रेलवे आधुनिकीकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। गंभीर रेल दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। ट्रैक के किनारे बड़े पैमाने पर सुरक्षा बाड़ लगाने के साथ अवैध क्रॉसिंग और पथराव जैसी घटनाओं को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। 'कवच' जैसी स्वदेशी सुरक्षा प्रणाली का विस्तार भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्टेशन पुनर्विकास कार्यक्रम के तहत 1,300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने का काम चल रहा है। इनमें बेहतर यात्री सुविधाएं, स्वच्छता, डिजिटल सेवाएं और सुगम आवागमन शामिल हैं। माल ढुलाई बढ़ाने के लिए वैगन डिजाइन में बदलाव, विभिन्न वस्तुओं के लिए विशेष नीतियां और कंटेनर ट्रेन संचालन से जुड़ी नई पहलें भी की गई हैं। टिकट बुकिंग, बोर्डिंग स्टेशन बदलने और रिफंड व्यवस्था में सुधार से यात्रियों को भी सुविधा मिली है। हालांकि, चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। भूमि अधिग्रहण, परियोजनाओं के समय पर पूरा होने, खर्च और लक्ष्य के बीच अंतर तथा क्षेत्रीय असंतुलन जैसे मुद्दों पर लगातार निगरानी जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं में भी और सुधार की आवश्यकता है। कुल मिलाकर, रेलवे सुधारों की दिशा सकारात्मक है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

पेपर लीक से पटना राजभवन तक

कांतिलाल मांडोत

बिहार की राजनीति में छात्र, परीक्षा और रोजगार का मुद्दा एक बार फिर सड़क पर है। बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनता दल ने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर के इस मार्च में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। रास्ते में बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई, पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और बाद में तेजस्वी यादव तथा मीसा भारती को हिरासत में लिया गया। करीब एक घंटे बाद तेजस्वी को छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई लेकिन इस घटनाक्रम को केवल राजनीतिक मार्च मानना अधूरा होगा। इसके पीछे छात्रों का असंतोष, प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर उठते सवाल, रोजगार की चिंता और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का बड़ा गणित भी है। सवाल है कि पेपर लीक और परीक्षा में कथित अनियमितताओं का मुद्दा हर राजनीतिक दल इतनी ताकत से क्यों उठा रहा है? क्या यह केवल छात्रों के भविष्य की चिंता है या इसके पीछे चुनावी राजनीति भी काम कर रही है? सीवान में छात्र प्रदर्शन के दौरान पुलिस की ओर से एके-47 से फायरिंग का मामला इस बहस को और गंभीर बना चुका है। उपलब्ध घटनाक्रम के अनुसार 25 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान एक पुलिसकर्मी ने एके-47 से गोलियां चलाईं। एक अन्य जवान के सर्विस रिवॉल्वर से फायरिंग की बात भी सामने आई। संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित किया गया। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामे में एके-47 से चार राउंड हवाई फायरिंग की बात स्वीकार की, लेकिन यह भी कहा कि छात्रों को गोली नहीं लगी। यहीं विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है। एक ओर पुलिस फायरिंग स्वीकार की गई, दूसरी ओर सरकार का कहना है कि छात्रों को गोली नहीं लगी। राजनीतिक दल इसे छात्रों पर गोली चलाने की घटना के रूप में पेश कर रहे हैं, जबकि सरकार फायरिंग को अलग संदर्भ में रख रही है। इसी अंतर ने मामले को कानून-व्यवस्था से आगे बढ़ाकर सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक संघर्ष का मुद्दा बना दिया है। तेजस्वी यादव का राजभवन मार्च इसी माहौल का विस्तार है। उन्होंने छात्रों के समर्थन में संघर्ष जारी रखने और युवाओं को रोजगार मिलने तक सरकार के खिलाफ आवाज उठाने की बात कही। इससे स्पष्ट है कि राजद इस आंदोलन को केवल छात्र मुद्दे तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे शिक्षा, रोजगार और सरकार की कार्यशैली के खिलाफ व्यापक अभियान बनाना चाहता है। दूसरी ओर, सत्ता पक्ष के लिए भी यह चुनौती कम नहीं है। बिहार में बड़ी संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों पर निर्भर हैं। परीक्षा में देरी, कथित पेपर लीक, नकल या भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता सीधे युवा मतदाता की चिंता से जुड़ती है। परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल उठते ही नाराजगी स्वाभाविक रूप से सरकार की ओर जाती है। यही कारण है कि पेपर लीक राजनीतिक रूप से बेहद ताकतवर मुद्दा बन गया है। छात्र के लिए प्रश्नपत्र केवल परीक्षा का हिस्सा नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, परिवार की उम्मीद और नौकरी के सपने का प्रतीक है। व्यवस्था पर भरोसा टूटने पर विपक्ष को सरकार घेरने का अवसर मिलता है। हालांकि, समस्या तब गंभीर होती है जब राजनीतिक बयानबाजी समाधान से बड़ी हो जाती है। यदि परीक्षा में गड़बड़ी हुई है तो निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान, समयबद्ध कार्रवाई और प्रभावित अभ्यर्थियों के भविष्य की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है।

जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर जयपुर का दो दिवसीय धार्मिक यात्रा कार्यक्रम 15-16 अगस्त 2026 को बिजौलिया पार्श्वनाथ, जहाजपुर एवं आंवा के लिए आयोजित किया गया। यात्रा में 170 सदस्यों ने 4 बसों के माध्यम से सहभागिता की। यात्रा का शुभारंभ महावीर नगर जैन मंदिर में सभी सदस्यों द्वारा देवदर्शन के साथ हुआ। महानगर ग्रुप के अध्यक्ष सुशील कासलीवाल एवं सचिव विनीत जैन ने बताया कि 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सदस्यों ने हाथों में तिरंगा लेकर और बैज लगाकर देशभक्ति गीतों के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया। निवर्तमान अध्यक्ष एवं कार्यक्रम संयोजक संजय छाबड़ा ने बताया कि यात्रा के शुभारंभ अवसर पर पूर्व अध्यक्ष प्रदीप जैन, सीएस जैन, रवि प्रकाश जैन, वीरेंद्र जैन, राजीव जैन, दीपेश छाबड़ा सहित पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, पुण्यार्जक एवं यात्रा सहयोगी उपस्थित रहे। यात्रा संयोजक महावीर जैन कसेरा ने बताया कि जयपुर से रवाना होकर सदस्य बिजौलिया पार्श्वनाथ पहुंचे, जहां सभी मंदिरों के दर्शन किए और भोजन प्रसादी का आनंद लिया। शाम को सभी सदस्य जहाजपुर स्वास्ति धाम मंदिर पहुंचे, जहां रात्रि विश्राम किया गया। यात्रा संयोजक सीएस जैन ने बताया कि 16 अगस्त को 50 से अधिक सदस्यों ने अभिषेक एवं शांतिधारा में भाग लिया। शांतिधारा की प्रथम बोली यात्रा संयोजक महावीर कसेरा, नितिन जैन, संजय छाबड़ा, सीएस जैन, सुनील जैन एवं अनुज जैन ने प्राप्त की। इसके बाद मुनिसुव्रतनाथ भगवान का विधान साज-सज्जा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। मंगल कलश एवं 4 कलश स्थापित करने वाले पुण्यार्जकों का भी आभार व्यक्त किया गया। संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन ने बताया कि जहाजपुर से सभी सदस्य आंवा जैन मंदिर पहुंचे। मंदिर कमेटी के संजय एवं सपना छाबड़ा ने सभी सदस्यों का माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए ड्रोन से फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी भी कराई गई। शांतिनाथ भगवान जैन मंदिर में भक्तामर स्तोत्र के माध्यम से दीप प्रज्वलन एवं बोली लगाकर पुण्यार्जक परिवारों के सहयोग से महाआरती का आयोजन किया गया। यात्रा की व्यवस्थाओं एवं सदस्यों की सुविधाओं के लिए 8 ग्रुप कैप्टन बनाए गए। इनमें राज-अमिता जैन, नितिन-दीपशिखा जैन, पुखराज-गीतिका जैन, प्रमोद-भारती गंगवाल, अनुज-कीर्ति जैन, राकेश-आशा जैन, प्रणव-प्रेरणा जैन एवं नेमी-ज्योति जैन शामिल रहे। सभी ने बसों से लेकर यात्रा स्थलों तक व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग किया। कार्यक्रम संयोजक सीएस जैन-संगीता जैन, रवि प्रकाश जैन-नमिता जैन, संजय छाबड़ा-सपना छाबड़ा एवं महावीर-सुनीता जैन कसेरा ने यात्रा को सफल बनाने में व्यवस्थाओं का समन्वय किया। पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र जैन गदिया ने बताया कि फोटोग्राफर नीरज जैन ने फोटोग्राफी एवं ड्रोन के माध्यम से यात्रा के विभिन्न पलों को यादगार बनाया। अध्यक्ष सुशील-सरिता कासलीवाल एवं सचिव विनीत-मोनिका जैन ने कार्यक्रम को आर्थिक सहयोग देने वाले सभी पुण्यार्जकों एवं यात्रा सहयोगियों के प्रति साधुवाद एवं आभार व्यक्त किया।

संत और साधु दोनों ही देश की रक्षा एवं उत्थान में सहयोगी बनते हैं: पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी

नई दिल्ली.शाबाश इंडिया। ऋषभ विहार में विराजित दिगंबर जैन धर्म के उन्नायक पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहज और शांत प्रकृति वाला, क्षमाशील एवं नैतिक जीवन जीने वाला व्यक्ति ही वास्तविक अर्थों में धार्मिक हो सकता है। धर्म में वास्तव में कोई संप्रदाय नहीं होता। सच्चा धर्म वही है, जो जन-जन के कल्याण, सुख-शांति और आनंद में सहयोगी बने।

सैनिक और संत एक समान

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज ने कहा कि साधु-संत नैतिक एवं धार्मिक उपदेशों के माध्यम से समाज को नैतिक पतन से बचाते हैं और लोगों को पाप कर्मों से दूर रहने की प्रेरणा देते हैं। इसी प्रकार देश के सैनिक शत्रुओं से राष्ट्र की रक्षा करते हैं। इसलिए संत और सैनिक दोनों ही देश की रक्षा एवं उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि जिस देश में संत, सैनिक, साहूकार और विद्वान हों, वहां प्रवास करना चाहिए। देश के विकास और उन्नति में साधु, सैनिक एवं साहित्यकारों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

शल्य हटाओ, शांति पाओ

उन्होंने कहा कि व्यक्ति को शूल से भी अधिक पीड़ा देने वाली चुभन का नाम 'शल्य' है। व्यक्ति जब कषाय से प्रभावित होकर कोई कार्य कुटिलता या छिपे हुए भाव से करता है, तो वही उसके मन में शल्य बन जाता है। शल्य को दूर करने से व्यक्ति सुखी और शांत हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में कोई पाप हो गया है तो उसका पश्चाताप और प्रायश्चित करना चाहिए। अपनी भूल की आलोचना कर मन को निर्मल बनाना चाहिए तथा चित्त को प्रसन्न रखना चाहिए। आत्मशुद्धि और सकारात्मक भावों के माध्यम से जीवन में शांति प्राप्त की जा सकती है। धर्मसभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के प्रवचनों का श्रवण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

साभार : श्री अभिषेक अशोक पाटील
कार्याध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर

मंदिर जी लश्कर में भगवान नेमिनाथ का जन्म-तप कल्याणक मनाया

जयपुर.का.सं। श्री नेमिनाथ भगवान के जन्म-तप कल्याणक के अवसर पर मंदिर जी लश्कर में भगवान नेमिनाथ की बाल लीला की आकर्षक झांकी सजाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः शांतिधारा एवं पूजन विधान के साथ हुआ। विधानाचार्य पंडित रमेश गंगवाल ने विधि-विधानपूर्वक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। प्रभारी डॉ. सुशील कासलीवाल ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठानों के बाद भगवान नेमिनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर जी लश्कर से विभिन्न मार्गों से होती हुई वापस मंदिर परिसर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह धर्मबंधुओं ने भगवान श्रीजी की आरती उतारकर श्रद्धा व्यक्त की। शोभायात्रा के दौरान ढोल-नगाड़ों एवं बैंड-बाजों की धुन पर पुरुषों और महिलाओं ने भजन-कीर्तन करते हुए उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। श्रद्धालु भगवान नेमिनाथ के जयकारे लगाते हुए भक्ति में झूमते नजर आए। पूरे मार्ग में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण बना रहा। शोभायात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने के बाद भगवान श्रीजी का अभिषेक किया गया। इसके पश्चात सामूहिक वात्सल्य भोज का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। धार्मिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

जयपुर हाउस जैन मंदिर में 51 परिवारों ने चढ़ाए निर्वाण लाडू, गूंजे भगवान पार्श्वनाथ के जयकारे

आगरा.शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जयपुर हाउस में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। आचार्य श्री सौभाग्य सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महोत्सव के दौरान भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से निर्वाण लाडू समर्पित किए। श्रीजी की प्रथम स्वर्ण शांतिधारा की बोली लेने का सौभाग्य महावीर प्रसाद जैन एवं दिव्यांश जैन परिवार को प्राप्त हुआ। वहीं द्वितीय शांतिधारा का सौभाग्य जिनवाणी चैनल परिवार एवं विजय-पलास जैन परिवार को मिला। 23 किलो का मुख्य निर्वाण लाडू चढ़ाने का पुण्य लाभ अजय कुमार एवं अर्पित बैनाडा परिवार को प्राप्त हुआ। इसके साथ ही 51 अन्य परिवारों ने भी भगवान पार्श्वनाथ के महा निर्वाण के उपलक्ष्य में निर्वाण लाडू समर्पित किए। निर्वाण लाडू समर्पण के दौरान मंदिर परिसर भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों से गूंज उठा। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए सुख, शांति एवं मोक्षमार्ग की कामना की। शुक्ल पक्ष के अंतर्गत चल रहे 16 दिवसीय श्री शांतिनाथ शांति विधान के सातवें दिन का विधान भी विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और पूरा वातावरण धार्मिक एवं भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, समग्र जयपुर हाउस जैन समाज के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। **रिपोर्ट : शुभम जैन**

नीमच के आदित्य जैन को मिला प्रतिष्ठित रामायणी सम्मान 2026

नीमच.शाबाश इंडिया

रामायण रिसर्च काउंसिल द्वारा भारत अध्ययन केंद्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित ''रामायणी सम्मान समारोह 2026'' वाराणसी में संपन्न हुआ। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती के अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मालवीय मूल्य अनुशीलन केंद्र में आयोजित समारोह में ज्ञानोदय विश्वविद्यालय, नीमच के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग में सहायक प्राध्यापक आदित्य जैन को प्रतिष्ठित रामायणी सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। प्रख्यात भजन गायक पद्मश्री अनूप जलोटा ने मंचासीन अतिथियों की उपस्थिति में आदित्य जैन को अंगवस्त्र, प्रतीक चिह्न एवं साहित्य भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, साहित्य, शोध एवं रचनात्मक लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। समारोह की अध्यक्षता बीएचयू के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी ने की। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, सांसद अजय भट्ट, सांसद चिंतामणि महाराज सहित संत, शिक्षाविद एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में देश के विभिन्न राज्यों की 28 विभूतियों को रामायणी सम्मान से नवाजा गया। **साभार : आदित्य जैन**

उपवास रखने वाले बालक-बालिकाओं का सम्मान, विशाल भजन संध्या में झूमे श्रद्धालु

जयपुर.शाबाश इंडिया

पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, श्याम बाबा, पुरानी टोंक में बुधवार शाम भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से भजन प्रस्तुत किए, वहीं महिलाओं ने भक्ति नृत्य कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत भगवान पार्श्वनाथ की 108 दीपकों से संगीतमय महाआरती के साथ हुई। इसके बाद भक्तामर परिवार टोडारायसिंह द्वारा रिद्धि मंत्रों के उच्चारण के साथ 48 दीप प्रज्वलित कर भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया गया। इसके बाद आयोजित भजन संध्या में गायक पंकज जैन के भजन ''पारस प्यारा लागो'' पर श्रद्धालु भक्ति में झूम उठे। गायक बाहुबली जैन के भजन ''मधुबन के मंदिरों में भगवान बस रहे हैं'' ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं अजय जैन के भजन ''टोंक वाले पारस बाबा, तेरा ही सहारा है'' पर श्रद्धालु भक्ति में झूमते हुए नृत्य करने लगे। इस अवसर पर उपवास रखने वाले बालक-बालिकाओं का मंदिर समिति की ओर से माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया तथा पुरस्कार प्रदान किए गए। अहाना सोगानी, निमित्त सोगानी, रिहिका कासलीवाल, परिधि जैन, निमिषा चौधरी, पहल जैन, ऐलाप्सी सोगानी, लवी कोठारी, सिद्धि जैन, अनीशा जैन एवं सादिका जैन ने पूरे दिन निराहार रहकर उपवास किया और भगवान की भक्ति एवं आराधना की। पंडित अंकित शास्त्री ने मोक्ष सप्तमी की महिमा बताते हुए कहा कि यह जैन धर्म का पवित्र व्रत एवं पर्व है। इस दिन भगवान पार्श्वनाथ सहित अनेक महामुनियों ने कर्मों का क्षय कर मोक्ष प्राप्त किया था। उन्होंने कहा कि मोक्ष सप्तमी के दिन उपवास, संयम, स्वाध्याय एवं जिनेंद्र भगवान का ध्यान करने से आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर का सफल आयोजन

वाराणसी.शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब वाराणसी शिवगंगा और स्प्रिंगडेल एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में 19 अगस्त 2026 को स्प्रिंगडेल एकेडमी, नियार रोड, कटारी, चोलापुर, वाराणसी के परिसर में निशुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लेंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल, रिंग रोड फेज-1, माधोपुर, वाराणसी के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेत्र चिकित्सकों की टीम ने मरीजों की आंखों की विस्तृत जांच की। सुबह 9 बजे से शुरू हुए शिविर में चोलापुर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जरूरतमंद बुजुर्ग एवं ग्रामीण पहुंचे। नेत्र विशेषज्ञों ने अत्याधुनिक उपकरणों से मरीजों की आंखों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए चिन्हित किया गया। आयोजकों ने चयनित मरीजों को अस्पताल तक ले जाने के लिए बस एवं कार की निशुल्क व्यवस्था की। साथ ही अस्पताल में मरीजों की जांच, उपचार, ऑपरेशन और भोजन की व्यवस्था भी पूरी तरह निशुल्क किए जाने की जानकारी दी गई। शिविर के सफल आयोजन में रोटरी क्लब वाराणसी शिवगंगा के अध्यक्ष रो. विवेक वर्मा, सचिव रो. अनूप कुमार नागर, संयोजक रो. मनोज अग्रवाल, अजय कुमार, अवधेश वर्मा, पंकज कुमार वर्मा एवं आशुतोष गुप्ता सहित स्प्रिंगडेल एकेडमी के प्रबंधन और आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। क्लब पदाधिकारियों ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा उन्हें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने के उद्देश्य से ऐसे सेवा कार्य आगे भी जारी रखे जाएंगे। **रिपोर्ट : संतोष कुमार सिंह**

धुलियान मंदिर में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक मनाया

धुलियान, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल.शाबाश इंडिया। श्रावण शुक्ल सप्तमी के पावन अवसर पर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर देवाधिदेव श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक धुलियान मंदिर जी में श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू समर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ निर्वाण लाडू अर्पित कर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक का पुण्यार्जन किया। धार्मिक आयोजन के दौरान ऐसा भक्तिमय वातावरण बना कि श्रद्धालुओं को ऐसा अनुभव हुआ मानो वे तीर्थराज सम्मेद शिखर के स्वर्णभद्र कूट पर ही भगवान पार्श्वनाथ को निर्वाण लाडू समर्पित कर रहे हों। दोपहर में श्री कल्याण मंदिर स्तोत्र का पाठ एवं दीप प्रज्वलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ भगवान पार्श्वनाथ की आराधना की। इसके पश्चात शाम को भव्य महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। महाआरती के बाद श्री पार्श्वनाथ चालीसा का सामूहिक पाठ किया गया। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर भगवान पार्श्वनाथ के जयकारों एवं भक्ति भाव से गूंजता रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ के चरणों में श्रद्धा अर्पित करते हुए सुख, शांति एवं मोक्षमार्ग की कामना की। **रिपोर्टः संजय कुमार जैन बड़जात्या**

जेएसजी वीनस ग्रुप ने विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजी नॉर्दर्न रीजन का सेवा सप्ताह 16 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक मनाया जा रहा है। इसी के अंतर्गत जेएसजी वीनस ग्रुप की ओर से 20 अगस्त को रूपा रामपुरा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, टोंक फाटक में विद्यार्थियों को स्टेशनरी वितरित की गई। जेएसजी वीनस ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला ने बताया कि सेवा सप्ताह के तहत आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं को आवश्यक स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई। इस सेवा कार्य से विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम के पुण्यार्जक अजय-निधि बड़जात्या एवं दीपक-पायल बिलाला रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि जितेंद्र पटौदी (कांग्रेस पार्टी नेता) सहित पूर्व अध्यक्ष रविन्द्र-रचना बिलाला, अक्षय-रीना मोदी, अजय-निधि बड़जात्या (उपाध्यक्ष), दीपक-पायल बिलाला (संयुक्त सचिव), सुनील-अंजू सेठी (कोषाध्यक्ष) एवं कार्यकारिणी सदस्य संदीप-रोहिणी सोगानी की गौरवमयी उपस्थिति रही। अंत में सेवा सप्ताह के मुख्य संयोजक अक्षय मोदी ने कार्यक्रम के पुण्यार्जकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया।

महात्मा गांधी राजकीय स्कूल तिंवरी में सदन एवं क्लब पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न

जोधपुर. शाबाश इंडिया

महात्मा गांधी राजकीय स्कूल, तिंवरी में इको क्लब, यूथ क्लब एवं इनोवेशन क्लब के अध्यक्ष व सचिव तथा पृथ्वी, जल, अग्नि, आकाश और वायु सदनों के कप्तान एवं उपकप्तान पदों के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदान संपन्न हुआ। आयोजन में 200 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मतदान की संपूर्ण प्रक्रिया निर्वाचन साक्षरता क्लब के विद्यार्थियों ने जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराई। इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित हुई। मतदान के बाद पृथ्वी सदन से धीरज को कप्तान एवं युवराज सिंह को उपकप्तान, जल सदन से देवेंद्र को कप्तान एवं हार्दिक को उपकप्तान, अग्नि सदन से वीनू को कप्तान एवं हैप्पी सिंह को उपकप्तान, आकाश सदन से कोमल को कप्तान एवं रणवीर सिंह को उपकप्तान तथा वायु सदन से युवराज को कप्तान एवं सिद्धि जैन को उपकप्तान चुना गया। इसी प्रकार भाग्यश्री को इको क्लब का अध्यक्ष एवं मानवी को सचिव, तम्मना एवं आकांक्षा को यूथ क्लब का अध्यक्ष एवं सचिव तथा आश्विन एवं निधि को आईटी इनोवेशन क्लब का अध्यक्ष एवं सचिव चुना गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश एवं निर्वाचन साक्षरता क्लब प्रभारी तथा उप-प्रधानाचार्य राधेश्याम के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की सक्रिय सहभागिता रही। चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने में भारती एयरटेल फाउंडेशन का विशेष सहयोग रहा। फाउंडेशन की तकनीकी एवं संरचनात्मक सहायता से मतदान प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सकी। विद्यालय परिवार की इस पहल से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया की समझ विकसित होने के साथ ही नेतृत्व, सहभागिता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी मजबूत हुई।

गणवेश की सेवा से 100 बालिकाओं के चेहरे पर खिली मुस्कान

पी.एम. श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुलाबबाड़ी में लगातार दूसरी बार सेवा

जयपुर. शाबश इंडिया। प्रांतीय स्लोगन ''फ्लाइट ऑफ ड्रीम'' के अंतर्गत प्रमुख सेवा कार्यक्रम 'मिशन मुस्कान' के माध्यम से लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा राजकीय विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री के साथ गणवेश उपलब्ध करवाकर उनके आत्मविश्वास और उत्साह को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। क्लब सचिव लायन अनिल चोरड़िया ने बताया कि इसी सेवा श्रृंखला के अंतर्गत समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल एवं प्रांतीय सभापति मिशन मुस्कान लायन अतुल पाटनी के सहयोग से पी.एम. श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गुलाबबाड़ी, अजमेर में अध्ययनरत 100 बालिकाओं को गणवेश उपलब्ध करवाई गई। नई गणवेश पाकर बालिकाओं के चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास की मुस्कान देखने को मिली। कार्यक्रम संयोजक लायन अतुल पाटनी ने बताया कि लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा इस विद्यालय में लगातार दूसरी बार सेवा कार्य किया गया है। इससे पूर्व भी विद्यालय की अन्य छात्राओं तथा इसी परिसर में संचालित बालवाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों को गणवेश उपलब्ध करवाई गई थी।

जेएसजी सनशाइन ब्यावर ने गौशाला में की गौ सेवा

चारा एवं लापसी अर्पित कर गौमाता की सेवा

ब्यावर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन, ब्यावर द्वारा आयोजित सेवा सप्ताह के अंतर्गत गुरुवार को अजमेर रोड बाईपास स्थित वंदे गौ मातरम् गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर गौमाता को हरा चारा एवं लापसी अर्पित कर सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम के दौरान जैन सोशल ग्रुप सनशाइन के सदस्यों ने गौशाला पहुंचकर गौमाता की सेवा की तथा जीवदया एवं करुणा का संदेश दिया। सेवा कार्य के तहत गौमाता के लिए चारा एवं लापसी की व्यवस्था की गई। इस पुण्य कार्य के लाभार्थी नंदकुमार, हीरेन, शुभम भंडारी एवं उनके परिवार रहे। परिवार ने गौ सेवा में सहयोग प्रदान करते हुए इस पुनीत कार्य का लाभ लिया। जैन सोशल ग्रुप सनशाइन की ओर से बताया गया कि सेवा सप्ताह का उद्देश्य समाज में सेवा, जीवदया एवं परोपकार की भावना को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से जरूरतमंदों एवं जीवों की सेवा के लिए सदस्यों को प्रेरित किया जा रहा है। संस्था अध्यक्ष राहुल ओस्तवाल एवं मंत्री भूपेश भंसाली ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति एवं जीवदया की महान परंपरा का हिस्सा है। गौमाता की सेवा से मन में करुणा, दया एवं सेवा भावना का विकास होता है। उन्होंने सभी सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष राहुल ओस्तवाल, मंत्री भूपेश भंसाली, वीरेंद्र बोहरा, पंकज डेडिया, अरुण रूनीवाल, अमित गोधा, अमित कोठारी, विनोद श्रीश्रीमाल, प्रतीक खटोड़, महावीर आबड़, राहुल पगारिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सुख-शांति के लिए भगवान पार्श्वनाथ स्तोत्र का सामूहिक पाठ

सनावद. शाबाश इंडिया

दो चक्री दश काम कुमारों की सिद्धभूमि के नाम से प्रसिद्ध पावन सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट में भगवान संभवनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ की अत्यंत चमत्कारिक प्रतिमाओं सहित अनेक जिनमंदिर स्थित हैं। यहां श्रद्धालु पूजा-अर्चना, स्तुति एवं पाठ के माध्यम से पुण्यार्जन करते हैं। पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र जैन भारती, सुशील मोदी, सार्थक मोदी, विशाल जैन, प्रियम जैन, शुभम जैन, शौर्यम जैन, रेखा जैन, साक्षी जैन एवं संध्या जैन सहित अनेक सदस्यों ने भगवान पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा के समक्ष पार्श्वनाथ स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया। इसके पश्चात णमोकार महामंत्र का जाप करते हुए मानव जीवन में सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। इस अवसर पर भोपाल, इंदौर, मंडलेश्वर, सनावद एवं बड़वाह से श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर पुण्यार्जन किया।

जीवन का सार धर्म है, धर्म अपनाने से मिलता है शाश्वत सुख : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

गुरु अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं : आर्यिका श्री महायश मति

सीकर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म अरिहंत भगवान का धर्म है, क्योंकि यह केवलज्ञान रूपी लक्ष्मी से युक्त है। अरिहंत भगवान की दिव्य ध्वनि से धर्म का प्रवाह होता है और पुण्य भी लक्ष्मी के समान है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने आत्मिक परिणामों को शुद्ध रखना चाहिए। संसारी प्राणी जब पाप का त्याग करेगा, तभी उसे वास्तविक सुख की प्राप्ति होगी। संसार की प्रत्येक वस्तु नश्वर है और पुण्य-पाप के अनुसार ही आयु, गति एवं शरीर की प्राप्ति होती है। जीवन का सार धर्म है और संसार में धर्म के अतिरिक्त कोई शरणभूत नहीं है। धर्म की शरण में जाने से ही जीवन में शाश्वत सुख की प्राप्ति हो सकती है। सभी को धर्म अपनाकर जीवन में अनुपम सुख प्राप्त करने का पुरुषार्थ करना चाहिए। यह मंगल धर्म देशना वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने पारस भवन दंग की नसिया स्थित आचार्य श्री धर्म सागर सभागृह में आयोजित धर्मसभा में दी। आचार्य श्री ने वर्तमान समय के ज्वलंत विषय

साइबर क्राइम पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि लालच के कारण साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। उन्होंने परिवारों में मोबाइल एवं टीवी के बढ़ते उपयोग पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भोजन के समय बच्चों द्वारा मोबाइल एवं टीवी देखने की आदत को रोकने की जरूरत है। जब बच्चे बड़ों को भी भोजन करते समय मोबाइल या टीवी देखते हुए देखते हैं, तो उनके लिए इस आदत को छोड़ना कठिन हो जाता है। डा. राजेश पंचोलिया के अनुसार, आचार्य श्री के प्रवचन से पूर्व आर्यिका श्री महायश मति माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु के बिना जीवन की सही दिशा निर्धारित नहीं हो सकती। गुरु अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर, पाप से पुण्य की ओर और अधर्म से धर्म की ओर ले जाते हैं। गुरु मनुष्य को आत्मकल्याण का मार्ग दिखाकर भगवान बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। आर्यिका श्री महायश मति माताजी ने हाल ही में हुई दीक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कल तक जो श्रावक-श्राविकाएं सभी के साथ बैठकर धर्म श्रवण कर रहे थे, आज वे मंच पर साधु परमेष्ठी के रूप में विराजमान हैं। यह परिवर्तन धर्म और गुरु के मार्गदर्शन की महत्ता को दर्शाता है। प्रवचन के दौरान माताजी ने धार्मिक जीवन में शुचिता एवं मर्यादा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने परिवार एवं धार्मिक स्थलों पर विभिन्न धार्मिक मान्यताओं

के अनुरूप शुद्धता और मर्यादा का पालन करने का आह्वान किया। उन्होंने महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान प्रचलित धार्मिक मर्यादाओं का पालन करने तथा परिवार में धार्मिक परंपराओं के अनुरूप व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। पवन मोदी एवं अनुभव जैन ने बताया कि प्रतिदिन आचार्य संघ के सानिध्य में प्रवचन, धार्मिक संस्कार शिविर, स्वाध्याय तथा शाम को आरती सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मलाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि नवदीक्षित मुनिराज श्री तत्व सागर, श्री तप सागर एवं श्री प्रभाष सागर तथा नूतन आर्यिका श्री सौम्य मति, श्री प्रतिभा मति एवं श्री सुदृष्टि मति और क्षुल्लक श्री उदित सागर जी की दीक्षा के उपवास के बाद प्रथम पड़गाहन एवं आहारचर्या के दर्शन के लिए सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जैन सोशल ग्रुप पिंक सिटी ने लगाया निःशुल्क एक्यूप्रेशर एवं स्वास्थ्य जांच शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप पिंक सिटी, जयपुर की ओर से 19 अगस्त 2026 को दुर्गापुरा दिगंबर जैन मंदिर में सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक निःशुल्क एक्यूप्रेशर थेरेपी, सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। ग्रुप के अध्यक्ष ई. अखिल जैन ने बताया कि शिविर को आसपास के क्षेत्र के निवासियों एवं मरीजों की ओर से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। करीब 80 लोगों ने उपचार के लिए पंजीकरण कराया। शिविर में थेरेपी कोच की टीम ने आधुनिक मशीनों एवं उपकरणों के माध्यम से निःशुल्क उपचार प्रदान किया, जिससे लाभार्थी संतुष्ट नजर आए। इसके साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं कोच द्वारा जीवनशैली एवं आहार से संबंधित आवश्यक सुझाव भी दिए गए। ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष ई. राकेश जैन ने कहा कि यह शिविर लोगों को सर्जरी एवं निरंतर दवाओं पर निर्भरता कम करने तथा बेहतर जीवन के लिए अपनी जीवनशैली में आवश्यक बदलाव करने के प्रति जागरूक करने की दिशा में सफल प्रयास रहा। शिविर में जेएसजी नॉर्दन रीजन की टीम, सचिव रवींद्र बिलाला, विभिन्न जेएसजी ग्रुप्स एवं संगिनी सदस्यों के साथ सामाजिक गणमान्य नागरिक दर्शन जैन, बसंत जैन, मंदिर समिति के सदस्य तथा जैन सोशल ग्रुप पिंक सिटी के सदस्यों ने सहभागिता की।

सीए कमल जैन
सचिव, जेएसजी पिंक सिटी, जयपुर

दुनिया में सब कुछ कर लेना, पर कभी भाई को नाराज मत करना : आचार्य पुलकसागर

जैन समाज के चारों संप्रदायों के संतों से एक मंच पर एकता का संदेश देने का आह्वान

चित्रकूटधाम में ज्ञान गंगा महोत्सव में पुलक वाणी सुनने उमड़ रहा सर्व समाज

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

हमारे घरों में दिलों की दूरियां बढ़ने से रिश्तों में दीवारें खड़ी हो रही हैं। सहनशीलता समाप्त हो रही है और भावनात्मक संबंध कमजोर पड़ रहे हैं। सर्वसुविधायुक्त होने के बावजूद लोग सुख-शांति को तरस रहे हैं। घर में शांति नहीं है तो दुनिया में कितनी भी तीर्थयात्रा कर लें, शांति नहीं मिलने वाली। जिंदगी में सब कुछ कर लेना, लेकिन अपने भाई को कभी नाराज मत करना। भाई के प्रति मन में प्रेम कभी समाप्त नहीं होना चाहिए। माता-पिता को बुढ़ापे में गरीबी और दरिद्रता उतना दुख नहीं देती, जितना बेटों का अलग-अलग रहना। बच्चों का एक साथ रहना माता-पिता के लिए सबसे बड़ा सुख है। ये विचार भीलवाड़ा में पहली बार चातुर्मास कर रहे राष्ट्र संत मनोज्ञाचार्य पुलकसागर महाराज ने श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट, मेन सेक्टर, शास्त्रीनगर के तत्वावधान में सकल दिगंबर जैन समाज की ओर से चित्रकूटधाम में आयोजित ज्ञान गंगा महोत्सव में गुरुवार को पारिवारिक एकता पर प्रवचन देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि दोस्त और पड़ोसी के साथ रह सकते हैं, तो दो भाई साथ क्यों नहीं रह सकते? जिन घरों में भाइयों के बीच प्रेम नहीं होता, उन्हें बिखरने में समय नहीं लगता। रामायण और महाभारत काल से लेकर आज तक देखा जाए तो खतरा हमेशा परायों से नहीं, अपनों से होता है। जितना नुकसान बाहरी लोग नहीं कर सकते, उतना अपने कर देते हैं। इसलिए कभी अपनों को दूर मत होने दो। आचार्यश्री ने कहा कि भाइयों के रिश्ते रावण-विभीषण या बाली-सुग्रीव जैसे नहीं होने चाहिए, जिनमें भाई ही भाई के विनाश का कारण बन जाए, बल्कि राम-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न जैसे होने चाहिए, जिनमें एक भाई दूसरे भाई के लिए त्याग का आदर्श प्रस्तुत करे। भाई गलत भी हो तो उसका साथ नहीं छोड़ना चाहिए, बल्कि उसे समझाने का प्रयास करना चाहिए। अलग होना आसान होता है, लेकिन वापस जुड़ना कठिन होता है। उन्होंने कहा कि बढ़ते एकल परिवारों के कारण रिश्तों की माला बिखर रही है, लेकिन आज भी कई ऐसे संयुक्त परिवार तीर्थ के समान हैं, जहां दर्जनों सदस्य एक साथ प्रेम से रहते हैं और एक ही रसोई में भोजन करते हैं। जिन घरों में भाइयों में प्रेम होता है, वहां रोज त्योहार होता है। पैसा भले कम हो जाए, लेकिन हृदय का प्रेम कभी कम नहीं होना चाहिए। बुरे दिनों में पैसा नहीं, बल्कि अपना प्रेम और व्यवहार काम आता है।

जैन एकता के लिए संतों से एक मंच पर आने का आह्वान

आचार्य पुलकसागर महाराज ने मंच से आह्वान किया कि आने वाली संवत्सरी या क्षमावाणी के अवसर पर सकल जैन समाज के चारों संप्रदायों के संत एक मंच पर बैठकर दुनिया को जैन एकता का संदेश दें। उन्होंने कहा कि यदि हम यहां एक मंच पर नहीं बैठ पाएंगे तो सिद्धशिला पर एक साथ कैसे बैठेंगे? दो-दो इंच पाटे ऊंचे-नीचे होने के लिए लड़ना छोड़कर एक साथ बैठना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम वीतरागी होकर एक साथ नहीं बैठ सके तो वीतरागता कैसे आएगी। हम वीतरागी बनने की बात करते हैं, लेकिन छोटे-छोटे अहंकार नहीं छोड़ पाते। संत एक साथ बैठेंगे तो समाज भी एक साथ बैठ जाएगा। संत जब तक एक नहीं होंगे, समाज कैसे एक हो पाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संप्रदायों के संतों के एक मंच पर संदेश देने के संबंध में अभी कोई औपचारिक चर्चा नहीं हुई है। चातुर्मास समिति इस विषय पर चर्चा कर आगे निर्णय करेगी। आचार्य पुलकसागर ने कहा कि छोटी-छोटी बातों पर घर बिखर जाते हैं और भाई-भाई की लड़ाई कई जन्मों का बैर बना देती है। याद रखना चाहिए कि हम किसी को क्षमा कर सकते हैं, लेकिन कर्मों से मुक्त परमात्मा भी नहीं कर सकते। कर्म का फल राजा और रंक सभी को भोगना पड़ता है। परिवार की लड़ाई कई भवों तक चल सकती है। जब तीर्थंकर जैसी आत्माएं भी कर्मों का फल भोगती हैं तो हम कैसे बच सकते हैं।

सत्ता की बजाय राम को पाकर सुखी होने वाला ही सच्चा दास : आचार्य रामदयालजी महाराज

दास भक्ति की पराकाष्ठा है रामभक्ति और सेवा में समर्पित अंजनीपुत्र हनुमान

माणिक्यनगर रामद्वारा धाम में दैनिक चातुर्मासिक सत्संग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

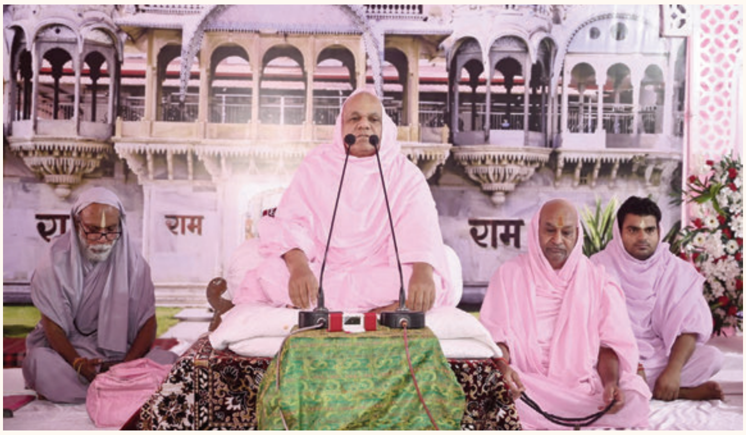

दास वही हो सकता है, जो यह माने कि मैं कुछ भी नहीं हूं, जो कुछ है वह परमात्मा है। साधक के मन में जब यह भाव आने लगता है कि मैं कुछ हूं, तभी उसका पतन प्रारंभ हो जाता है। ह्यमैंह्व शब्द हमेशा नुकसान पहुंचाता है। दास भक्ति कहती है कि मेरे मालिक, गुरुदेव और परमात्मा ही सब कुछ हैं, उनके अलावा बाकी सब तुच्छ है। संपूर्ण जीवन रामभक्ति और सेवा में लगा देने वाले अंजनीपुत्र हनुमान की भक्ति दास भक्ति की पराकाष्ठा है। उन्होंने अपने स्वामी राम के लिए विराट कार्य किए, लेकिन कभी अहंकार या 'मैं' का भाव नहीं आने दिया। ये विचार अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगद्गुरु आचार्य स्वामी श्री रामदयालजी महाराज ने गुरुवार को ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत दैनिक सत्संग में दास भक्ति की चर्चा करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज होड़ की दौड़ में धर्म, संस्कृति और गरिमा सब पीछे छूटते जा रहे हैं, जबकि दास यह मानता है कि मैं धन-संपत्ति लेकर क्या करूंगा, मेरे पास तो परमात्मा है। साधक, ज्ञानी और दास अपने स्वामी को पाकर जीवन को धन्य मानते हैं। वह सत्ता पाकर नहीं, बल्कि राम को पाकर सुखी होता है और यही सच्चा दासत्व भाव है। आचार्यश्री ने कहा कि दास हमेशा मानता है कि जीवन में जो कुछ सुधरा है, वह परमात्मा की कृपा है और जो बिगड़ा है, वह हमारी अपनी कमियों के कारण है। जिस व्यक्ति में ऐसा भाव होता है, वही दासत्व भाव रखकर प्रभु का सच्चा दास बनता है। हम बिगड़ने पर कर्मों और ईश्वर को दोष देकर उन्हें कोसते हैं, जबकि अच्छा होने पर उसका श्रेय स्वयं लेना चाहते हैं। दास के मन में अहंकार नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का भाव होता है। आचार्य रामदयालजी महाराज ने कहा कि दास वही होता है, जो दुख में धैर्य और विपत्ति में मति की स्थिरता बनाए रखे। दास के जीवन में एक ही भाव होता है कि अंतिम श्वास तक अपने स्वामी की सेवा में समर्पित रहूं। उसके मन में स्वामी भक्ति के अतिरिक्त कोई अन्य भाव नहीं होता। जीवन की विकृतियों को समाप्त करने के लिए जरूरी है कि जीवन में एक ही संस्कृति और एक ही लक्ष्य रहे। भगवान के चरणों में सदैव दास बनकर रहना चाहिए। उन्होंने महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि जब दुर्योधन ने भगवान कृष्ण को छोड़कर उनकी सेना मांग ली और अर्जुन ने भगवान को अपना सारथी बनाया, तब लोगों ने अर्जुन से कहा कि माखन तो दुर्योधन ले गया और अब छाछ ही बची है, इसलिए तुम्हारी हार निश्चित है। इस पर अर्जुन ने कहा कि मेरी जीत निश्चित है, दास क्यों उदास रहे। माखन लेकर क्या करूंगा, जब मेरे पास माखनचोर स्वयं हैं। यह प्रसंग बताता है कि सच्ची दास भक्ति कैसी होती है। आचार्यश्री से पूर्व अंतरराष्ट्रीय रामस्नेही संप्रदाय के प्रखर वक्ता संत मनोरथरामजी आलोट ने मानस पर प्रवचन दिया। प्रवचन के विश्राम पर श्रद्धालुओं द्वारा आचार्यश्री रामदयालजी महाराज की आरती की गई। सत्संग में भीलवाड़ा सहित विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। चातुर्मास के दौरान दैनिक सत्संग सुबह 9 से 10 बजे तक आयोजित हो रहा है। इसके पूर्व सुबह 8:30 से 9 बजे तक रामधुनी के साथ वाणीजी का पाठ किया जा रहा है। सूर्यास्त के समय संध्या आरती तथा रामस्नेही संप्रदाय के युवा संत रामजसजी ईडर द्वारा भक्तमाल कथा का आयोजन भी हो रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

22 अगस्त को भगवान चंद्रप्रभु का 71वां प्रकट तिथि महोत्सव

तिजारा. शाबाश इंडिया

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र देहरा-तिजारा में देवाधिदेव भगवान चंद्रप्रभु की 71वीं प्रकट तिथि के अवसर पर 22 अगस्त, शनिवार को वार्षिक मेला एवं प्रकट तिथि महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। महोत्सव में परम पूज्य भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ (31 पिच्छी) का पावन सान्निध्य रहेगा। मंदिर अध्यक्ष मुकेश जैन ने बताया कि कार्यक्रम में प्रातः 6:15 बजे जलाभिषेक एवं पूजन, 9:30 बजे ध्वजारोहण, 10 बजे धर्मसभा तथा 11:55 बजे भगवान चंद्रप्रभु का विशेष अभिषेक होगा। शाम 7 बजे मंगल आरती और रात 8 बजे सौरभ जैन एंड पार्टी, दिल्ली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष निर्मल जैन उपस्थित रहेंगे। प्रचार मंत्री उमंग जैन ने बताया कि महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। अतिशय क्षेत्र को आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। आयोजक समिति ने देशभर के श्रद्धालुओं एवं सकल जैन समाज से परिवार सहित पहुंचकर भगवान के दर्शन एवं महोत्सव में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

दिगंबर जैन युवा एवं महिला महासभा ने सेवा कार्य कर मनाया माताजी का अवतरण दिवस

भिंड. शाबाश इंडिया

भिंड नगर के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय मंदिर में विराजमान समाधि सम्राट गड़ाचार्य विराग सागर जी महामुनिराज की परम शिष्या विजिज्ञासा श्री माताजी का अवतरण दिवस सेवा कार्यों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा एवं महिला महासभा के पदाधिकारियों ने सेवा कार्य करते हुए माताजी का अवतरण दिवस मनाया। युवा महासभा एवं महिला महासभा के पदाधिकारी वृद्धाश्रम पहुंचे और वहां बुजुर्गों को मिठाई वितरित की। इसके साथ ही जरूरतमंद बच्चों को नमकीन एवं बिस्कुट वितरित किए गए। सेवा कार्य के माध्यम से समाज में सेवा, करुणा एवं परोपकार का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के पश्चात सभी पदाधिकारियों ने विजिज्ञासा श्री माताजी से मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर युवा महासभा के जिलाध्यक्ष अभिषेक जैन मोनू, जिला महामंत्री एवं पत्रकार सोनल जैन, कोषाध्यक्ष अनुभव जैन, महिला महासभा अध्यक्ष रानी जैन, सीमा शर्मा, मुदिता भारद्वाज सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

णमोकार महामंत्र के सामूहिक जाप से गूंजा अंबाह, संगीतमय महाआरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अंबाह. शाबाश इंडिया

परम पूज्य गुरु मां गणिनि आर्यिका रत्न 105 श्री संगममति माताजी ससंघ के मंगल सान्निध्य में बुधवार को 35 दिवसीय णमोकार महामंत्र अर्चना के तहत संगीतमय महाआरती का आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। चुंगी नाका, मुरैना रोड से शुरू हुई महाआरती जैन बगीची पहुंची, जहां करीब एक घंटे तक सामूहिक णमोकार महामंत्र का पाठ किया गया। मंत्रोच्चार एवं धार्मिक जयघोष से जैन बगीची का वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार शामिल होकर धर्मलाभ लिया। महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं के हाथों में दीप और मुख पर णमोकार महामंत्र का जाप दिखाई दिया। सामूहिक पाठ के दौरान पूरा परिसर शांत एवं भक्तिमय नजर आया। एक स्वर में मंत्रोच्चार से जैन बगीची में आध्यात्मिक वातावरण बन गया। इसके बाद संगीतमय महाआरती हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के साथ आराधना की। धार्मिक जयघोष से माहौल और अधिक उल्लासपूर्ण हो गया। माताजी ने बताया कि जैन धर्म में णमोकार महामंत्र का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। यह किसी व्यक्ति विशेष की स्तुति नहीं, बल्कि पंच परमेष्ठी को नमस्कार करने वाला मंत्र है। इसमें अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय एवं साधु परमेष्ठी को नमन किया जाता है। जैन परंपरा में इसे अत्यंत पवित्र एवं मंगलकारी मंत्र माना गया है। इसके जाप के माध्यम से श्रद्धालु विनय, आत्मशुद्धि, संयम एवं आध्यात्मिक चेतना की भावना को मजबूत करने का प्रयास करते हैं।

श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 700 से अधिक विद्यार्थियों ने ली नशामुक्ति की शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेरी गेट स्थित श्री अग्रसेन पब्लिक स्कूल में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज के सहयोग से ''10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान 2026'' के तहत नशामुक्ति जागरूकता एवं प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 700 से अधिक विद्यार्थियों ने एक साथ जीवन में कभी नशा न करने तथा दूसरों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने की शपथ ली। विद्यालय की प्राचार्या अभिलाषा शैली ने अतिथियों एवं ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान ब्रह्माकुमारीज की प्रतिनिधि स्वाती बहन ने सरल एवं प्रभावी ढंग से नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विद्यालय सचिव कमल नानूवाला, प्राचार्या, शिक्षकगण एवं 700 से अधिक विद्यार्थियों ने नशामुक्ति की प्रतिज्ञा ली। विद्यालय सचिव कमल नानूवाला ने कहा कि युवा शक्ति ही देश का भविष्य है। यदि युवा पीढ़ी नशामुक्त रहेगी, तभी देश का वास्तविक विकास संभव है। उन्होंने नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ब्रह्माकुमारीज के प्रयास की सराहना की। प्राचार्या अभिलाषा शैली ने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य चरित्रवान नागरिकों का निर्माण करना है। ब्रह्माकुमारीज का यह अभियान युवाओं को सही दिशा देने की दिशा में सराहनीय प्रयास है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया गया।

क्रोध को स्वभाव मान बैठे तो बदलाव रुक जाता है, संकल्प जागे तो जीवन की दिशा बदल जाती है : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

30 उपवास पूर्ण कर साध्वी सोम्याश्रीजी ने तप आराधना में रचा नया अध्याय

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

रास्ते वही होते हैं, लेकिन चलने वाले बदल जाते हैं। कभी रास्ता गलत नहीं होता, हमारी दिशा गलत होती है। कभी परिस्थिति दोषी नहीं होती, हमारा दृष्टिकोण हमें उलझा देता है और कई बार सामने वाला नहीं, हमारा अपना क्रोध हमें हराता है। इसलिए जीवन को बदलने के लिए बाहर की परिस्थितियों से लड़ने से पहले भीतर के मन को जीतना जरूरी है। जहां मन ने ठान लिया कि अब मुझे बदलना है, वहीं से परिवर्तन की शुरूआत होती है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने शांतिभवन में चातुर्मास के दौरान आयोजित धर्मसभा में श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यात्रा में साथी मिल जाए तो रास्ता आसान हो जाता है, लेकिन साथी की सोच नकारात्मक हो तो वही रास्ता बोझ बन जाता है। श्रेणिक चरित्र के प्रसंग से उन्होंने संगति की ताकत को सामने रखते हुए कहा कि मनुष्य अकेला नहीं बदलता। उसके साथ चलने वाली संगति, वातावरण और विचार भी उसे धीरे-धीरे गढ़ते हैं। इसलिए जीवन में यह देखना जरूरी है कि हम किसके साथ चल रहे हैं और उनकी दिशा हमें कहां ले जा रही है। महासती अमृतकंवरजी के पुण्य स्मृति दिवस का उल्लेख करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि ऐसी पुण्य

आत्माओं का स्मरण केवल श्रद्धा प्रकट करने के लिए नहीं, बल्कि उनके जीवन से अपने जीवन की दिशा तय करने के लिए होना चाहिए। गुरु का काम केवल रास्ता बताना नहीं, बल्कि गलत रास्ते से बचाना भी है। संयम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि संयम का अर्थ सम्यक नियंत्रण है। अपनी इच्छा से और मन लगाकर स्वयं पर नियंत्रण करना ही संयम है। पचक्खाण इसी नियंत्रण को संकल्प में बदलता है। संकल्प अनेक विकल्पों को छोड़कर मन को एक दिशा देता है। इसलिए संयम बाहर से थोपा हुआ अनुशासन नहीं, बल्कि भीतर से लिया गया निर्णय है। क्रोध के प्रसंग में उन्होंने कहा कि सामने वाले की भूल देखने से पहले अपनी भूल देखना सीखिए। एक व्यक्ति रास्ते में ठोकर खाकर स्वयं पर नाराज हुआ और आगे केले के छिलके से फिसलने पर दूसरे को दोष देने लगा। दोनों जगह चूक उसकी अपनी थी, लेकिन दूसरी बार उसने दोष किसी और पर डाल दिया। अपनी भूल पर सफाई और दूसरे की भूल पर क्रोध करना ही वह स्थिति है, जहां मनुष्य स्वयं को देखने की दृष्टि खो देता है। युवाचार्यश्री ने कहा कि क्रोध को स्वभाव मान लेना सबसे बड़ी भूल है। क्रोध स्वभाव नहीं, बल्कि संस्कारों और आदतों से बना संयोग है। जो संयोग से बना है, वह पुरुषार्थ से बदला भी जा सकता है। व्यक्ति जब यह मान लेता है कि मेरा स्वभाव ही ऐसा है, तब वह अपने परिवर्तन का रास्ता स्वयं बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि क्रोध कुछ समय के लिए व्यक्ति को शक्तिशाली होने का भ्रम देता है, लेकिन धीरे-धीरे उसकी अपनी कीमत कम करता जाता है। परिवार में भी यही होता है। जब तक व्यक्ति की बात को लोग सम्मान से सुनते हैं, तब तक उसका क्रोध शायद सह लिया जाता है, लेकिन निरंतर क्रोध संबंधों में सम्मान को भीतर से खोखला कर देता है।

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में भव्य कल्याण मंडल दीप अर्चना

4,000 दीपकों से हुई दीप अर्चना, मंदिर प्रांगण हुआ जगमग

जयपुर. शाबाश इंडिया

आर्यिका रत्न गुरुमां सुविज्ञमति माताजी के आशीर्वाद एवं श्रेया दीदी के सानिन्ध्य में श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, विवेक विहार में भव्य कल्याण मंडल दीप अर्चना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 86 परिवारों ने सहभागिता करते हुए 4,000 दीपकों से दीप अर्चना की। चातुर्मास समिति के संयोजक नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि शाम 7 बजे नमोकार महामंत्र के मंगलाचरण के साथ दीप अर्चना कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर सौधर्म इंद्र परिवार लता-धीरज-कविता बिंदायका का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। श्रेया दीदी द्वारा कल्याण मंडल के प्रत्येक कड़े एवं भजनों की प्रस्तुति के साथ श्रद्धालुओं ने अपने स्थान पर भक्ति नृत्य करते हुए दीपक अर्पित किए। दीप अर्चना के दौरान मंदिर प्रांगण में चारों ओर दीपकों की रोशनी से भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण बन गया। संयोजक भागचंद पाटनी एवं समाज अध्यक्ष अनिल जैन आईआरएस सहित कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने जयपुर जैन समाज से पधारे श्रावकश्रेष्ठियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि कार्यक्रम में वषायोग चातुर्मास समिति के सभी कार्यकारिणी सदस्य, समाज समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य, महिला मंडल की अध्यक्षा, मंत्री एवं कार्यकारिणी सदस्य सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

वात्सल्य रत्नाकर
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमलसागर जी मुनिराज
के अन्तिम दीक्षित शिष्य
परम पूज्य उपाध्याय श्री 108
ऊर्जयन्तसागर जी महाराज
50 वाँ
॥मंगलोदय दिवस॥
बुधवार-गुरुवार-शुक्रवार/ 19-20-21 अगस्त, 2026
भट्टारक जी नसियाँ, जयपुर
शुक्रवार, दिनांक 21 अगस्त, 2026
प्रातः वात्सल्य रत्नाकर गुरुवन्दना
प्रातः 9.00 बजे - सैन्ट्रल पार्क में वृक्षारोपण
दोपहर 1.15 बजे - भव्य जुलूस के साथ उपाध्याय श्री का समारोह स्थल में पदार्पण
दोपहर 2.00 बजे - मंगलाचरण, दीपद्योतन, अतिथि सम्मान एवं विनयांजलि सभा
दोपहर 4.30 बजे - उपाध्याय श्री का मंगल आशीर्वाद
सायं 7.00 बजे - गुरु भक्ति एवं भव्य आरती 51 थालियों में सुसज्जित दीपकों से
स्वामी वात्सल्य पुण्यार्जक...श्रीमती सुशीला जी शिखरचन्द्र जी बैराठी
श्रीमती निधि जी विकास जी, माधव जी मृदुल जी बैराठी परिवार
आंमत्रित विद्वतजन् : प्रो. नलिन के. शास्त्री-दिल्ली, डॉ. एन.के.खींचा-जयपुर,
एडवोकेट श्री अनूपचन्द जी जैन -फिरोजाबाद, पं. चन्दनमल जी अजमेरा-जयपुर
विधानाचार्य : पं. सुरेन्द्र जी जैन (सलूम्बर)

जो कषाय एवं राग-द्वेष छोड़ देगा, वही भगवान बन जाएगा: आचार्य सुंदर सागर महाराज

प्रतिभा सम्मान समारोह में महिलाओं ने मारी बाजी, धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के लिए किया सम्मान

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य एवं आशीर्वाद में भगवान पार्श्वनाथ के निर्वाण कल्याणक महोत्सव के अवसर पर शहर के विभिन्न जिनालयों में निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। इस दौरान बिचला जैन मंदिर, शिवाजी कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में धार्मिक आयोजन हुए। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में जिनोदय युवा संघ द्वारा भगवान शांतिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ की विधिवत मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा की गई। श्रद्धालुओं ने क्षीरसागर के जल से श्रीजी का अभिषेक कर पुण्यार्जन किया। त्रिलोक रजवास एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि नसियां जैन मंदिर, बड़ा जैन मंदिर, बिचला जैन मंदिर, बंपुई वालों की धर्मशाला स्थित चैत्यालय, सूरजमल बाबाजी के चैत्यालय एवं शिवाजी कॉलोनी स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में भगवान नेमिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की गई।

महिलाओं एवं बालिकाओं का प्रतिभा सम्मान

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आचार्य सुंदर सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें धर्म प्रभावना महिला मंडल को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में संजू जौंला, वाटिका सोगानी, तृप्ति जैन, विनिता जैन, बीना सोगानी, मोना जैन, स्वाति सोगानी एवं साक्षी जैन शामिल रहीं। इसी प्रकार दर्श जैन, सर्वज्ञ जैन, मनन जैन तथा धर्म प्रभावना बालिका मंच की नेहल जैन, आराध्या सोगानी, लावण्या जैन, सौम्या जैन, निवी जैन एवं आव्या जैन को भी सम्मानित किया गया। भजन गायिका सीमा जैन रजवास को गायन-वादन के लिए स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। शांतिसागर पाठशाला एवं विशुद्ध वर्धिनी महिला मंडल को भी पुरस्कृत किया गया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य सुंदर सागर महाराज ने कहा कि ''जो कषाय एवं राग-द्वेष छोड़ देगा, वही भगवान बन जाएगा।'' उन्होंने कहा कि मुकुट सप्तमी व्रत का उद्देश्य आठों कर्मों का क्षय करना है। ज्ञानवान व्यक्ति ही झुकना जानता है।

जेएसजी नॉर्थ का पांचवें दिन पक्षी चिकित्सालय में सेवा कार्य

पक्षियों के उपचार के लिए 7,000 रुपये की दवाइयां वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी नॉर्थ के तत्वावधान में सेवा सप्ताह के पांचवें दिन 20 अगस्त को मालवीय नगर स्थित पक्षी चिकित्सालय में सेवा कार्य किया गया। इस दौरान पक्षियों के उपचार के लिए 7,000 रुपये की दवाइयां वितरित की गईं। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी ने बताया कि सेवा कार्य में सचिव अजय बड़जात्या, सहसचिव विजय जैन, कोषाध्यक्ष संजय गोधा, मुख्य संयोजक पदम सोगानी, सुनील बड़जात्या, संयोजक अजय गंगवाल, मुनिया सोगानी, प्रीती सोगानी, स्नेहलता गंगवाल, बबीता बड़जात्या सहित अन्य सदस्यों ने उपस्थित होकर सेवा कार्य में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि पक्षियों की चिकित्सा एवं सेवा के लिए आयोजित यह कार्यक्रम जीवदया और जनकल्याण के प्रति संस्था की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। सेवा सप्ताह के दौरान संस्था द्वारा विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाज एवं जीव-जंतुओं की सेवा का संदेश दिया जा रहा है। सदस्यों ने कहा कि जीवों की सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। सेवा ही सच्चा धर्म है।

श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास से सम्पन्न

सहारनपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर, जानकी धाम, जनता रोड, सहारनपुर में भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर तृतीय निर्वाण लाडू समर्पण समारोह श्रद्धा एवं भक्ति के साथ आयोजित किया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पारस जैन ''पार्श्वमणि'' ने बताया कि भगवान पार्श्वनाथ के प्रथम अभिषेक का सौभाग्य श्री राम मोहन जैन एवं चिन्मय जैन को प्राप्त हुआ। भगवान आदिनाथ का प्रथम अभिषेक श्री नवीन जैन ने किया। पार्श्वनाथ भगवान की शांतिधारा विनय कुमार जैन, विभोर जैन एवं डॉ. ए.के. जैन, भव्य जैन ने की। पांडुकशिला पर शांतिधारा प्रवीण कुमार जैन, गीता जैन, रविंद्र कुमार जैन एवं ब्रह्मचारिणी सुनीता दीदी ने सम्पन्न की। निर्वाण लाडू क्रमशः सुकेश जैन-प्रीति जैन, संजय जैन-रीना जैन, पीयूष जैन-नीतिका जैन एवं श्रवण कुमार जैन-ममता जैन ने समर्पित किए। भगवान पार्श्वनाथ की भव्य आरती अनुज कुमार जैन-रीतु जैन, पारस जैन-राशि जैन एवं मुख्य अतिथि राकेश जैन ने की। राजीव जैन ने संगीतमय पूजन कराया। कार्यक्रम के बाद वात्सल्य भोज हुआ।

भव्य कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ

175 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर लिया भाग, विभिन्न समाजों ने किया स्वागत

जोबनेर. शाबाश इंडिया। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम कोड़ी क्षेत्र में सात दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। शुभारंभ अवसर पर 175 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ कलश यात्रा में भाग लिया। कथावाचक पूज्य दयाल महाराज गौड़, महंत श्री ठाकुरजी महाराज मंदिर, कोड़ी को रथ में विराजमान किया गया। घोड़ों की सवारी के साथ श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर गलता पीठाधीश्वर संपत कुमार महाराज एवं युवाचार्य राघवेंद्राचार्य महाराज, जयपुर का सान्निध्य रहा। कलश यात्रा ड्योढ़ी-कोड़ी के मुख्य मार्गों से होते हुए श्री ठाकुरजी महाराज मंदिर पहुंची। मार्ग में ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर कथावाचक का स्वागत किया। विशेष रूप से मुस्लिम समाज के लोगों ने भी महाराज का स्वागत कर सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। मंदिर परिसर में आरती, हवन एवं पूजा-अर्चना के बाद भगवान शिव का अभिषेक कर कथा का विधिवत शुभारंभ किया गया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजकों ने बताया कि कथा 26 अगस्त को पूर्ण होगी। इस अवसर पर प्रसादी वितरित की गई।

हरजीत सिंह ग्रेवाल से शिष्टाचार भेंट

जैन समाज के विकास से जुड़े विषयों पर हुआ सार्थक संवाद

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। नई दिल्ली में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन हरजीत सिंह ग्रेवाल से शाहिल जैन ने शिष्टाचार भेंट कर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद किया। इस अवसर पर जैन समाज के सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक एवं सामुदायिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। साथ ही, जैन समाज की अपेक्षाओं, समस्याओं एवं भविष्य की आवश्यकताओं को आयोग के समक्ष रखने का अवसर मिला। शाहिल जैन ने कहा कि उद्देश्य केवल जैन समाज का विकास करना नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल सहित पूरे भारत में जैन समाज को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, युवा सशक्तिकरण, धार्मिक एवं तीर्थ संरक्षण तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में और अधिक मजबूत एवं संगठित बनाना है। उन्होंने कहा कि जैन समाज की प्रगति के साथ राष्ट्र की प्रगति और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण में सक्रिय योगदान देना हमारा संकल्प है। एक विकसित, समृद्ध, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण भारत के निर्माण में जैन समाज अपनी सकारात्मक भूमिका निरंतर निभाता रहेगा।

विकास, नवाचार और अवसरों से सजी ''उज्ज्वल राजस्थान 3.0'' प्रदर्शनी

उदयपुर. शाबाश इंडिया

विकसित उदयपुर की संभावनाओं, नई तकनीकों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जीवंत तस्वीर होटल योइस में आयोजित तीन दिवसीय मेगा जन-जागरूकता प्रदर्शनी ''उज्ज्वल राजस्थान 3.0'' में दिखाई दे रही है। सांसद डॉ. मन्नालाल रावत के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में शुरू हुई यह प्रदर्शनी 20 से 22 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 10 से शाम 5 बजे तक आमजन के लिए निःशुल्क खुली रहेगी। प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. रजनी पी. रावत, सामाजिक कार्यकर्ता एवं महामंत्री, वनांचल शिक्षा समिति, उदयपुर सहित उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर निधि त्रिवेणी, इकोसिस्टम एंगेजमेंट मैनेजर, भाषिणी; डॉ. हरि शंकर श्रीवास्तव, वैज्ञानिक-जी एवं ग्रुप हेड, पीपीईजी, भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान, इसरो देहरादून; रवि कुमार नेगी, डिविजनल मैनेजर, बैंकिंग, एलआईसी तथा अल्पेश मधाद, प्रोजेक्ट हेड, गुजरात इंफॉर्मेटिक्स लिमिटेड उपस्थित रहे। 'फ्यूचर ऑफ उदयपुर' को प्रदर्शनी की केंद्रीय थीम बनाया गया है। इसके माध्यम से शहर के आधारभूत ढांचे, पर्यटन, औद्योगिक विस्तार, पर्यावरणीय स्थिरता, शिक्षा, तकनीक और सामाजिक-आर्थिक विकास की भावी दिशा को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी यह संदेश भी देती है कि 'विकसित राजस्थान' और 'विकसित भारत 2047' के संकल्प में उदयपुर की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण हो सकती है। केंद्र एवं राज्य सरकार के विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, शोध संस्थानों, शैक्षणिक संगठनों और वित्तीय संस्थाओं की भागीदारी ने आयोजन को उपयोगी संवाद मंच बना दिया है। इंटरैक्टिव डिस्प्ले, लाइव डेमोंस्ट्रेशन और विशेषज्ञों से सीधा संवाद आगंतुकों को सरकारी योजनाओं, नई नीतियों और विकास पहलों की सहज जानकारी दे रहा है। छात्रों के लिए करियर एवं तकनीकी संभावनाएं, युवाओं के लिए कौशल विकास और उद्यमिता, किसानों के लिए उपयोगी जानकारी तथा आम नागरिकों के लिए विभिन्न योजनाओं का मार्गदर्शन प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण हैं। वहीं, आइसीएआर, आईसीएमआर, एफएसएसएआई, सीएसआईआर, डीबीटी, बीआईएस, जीएसआई, आरबीआई, आईआईआरएस, एफसीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा, एनएफएसयू, सीआईपीईटी, सीपीडब्ल्यूडी और एनआईसी सहित अनेक संस्थान इसमें सहभागी हैं। आयोजन को पीएनबी का गोल्ड, दीनदयाल पोर्ट अथॉरिटी का सिल्वर और भाषिणी का ब्रॉन्ज सहयोग प्राप्त है। टी बोर्ड इंडिया, सिडबी, एलआईसी और एसबीआई भी समर्थन दे रहे हैं।

रिपोर्ट फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

नेटवर्किंग से निकला कारोबार का रास्ता, अग्रोहा ग्रोथ मीट में उद्यमियों का उत्साह

उदयपुर. शाबाश इंडिया

व्यवसाय की दुनिया में सही संपर्क, भरोसेमंद संवाद और सहयोग की ताकत को रेखांकित करते हुए अग्रोहा उदयपुर चैप्टर ने होटल जिंजर में 'अग्रवाल बिजनेस ग्रोथ मीट' का आयोजन किया। इसमें 50 से अधिक बिजनेस लीडर्स, चैप्टर सदस्यों और विजिटर्स ने सहभागिता कर नए व्यावसायिक रिश्तों एवं अवसरों पर चर्चा की। कार्यक्रम का मूल भाव केवल परिचय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उद्यमियों को एक-दूसरे के कारोबार, सेवाओं और विशेषज्ञता से जोड़कर विकास की नई संभावनाएं तलाशना रहा। अध्यक्ष डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सामूहिक प्रगति के लिए ऐसे मंचों को जरूरी बताया। उपाध्यक्ष निर्मल अग्रवाल ने सदस्यों के बीच हुए व्यवसाय और उनकी उपलब्धियों की जानकारी दी। सचिव अंकित गर्ग ने चैप्टर की गतिविधियों तथा आगामी योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया। बोर्ड सदस्य सीए रोहन मित्तल, सीए यशवंत मंगल और हेमंत अग्रवाल ने संगठन के ग्रोथ विजन को साझा किया। डॉ. प्रिया अग्रवाल की बिजनेस प्रेजेंटेशन ने सहभागियों को अपनी सेवाओं और संभावनाओं के प्रभावी प्रस्तुतीकरण का अवसर दिया। अग्रोहा के संस्थापक करण गर्ग ने संगठन के '100 शहर, 100 चैप्टर्स' मिशन की जानकारी देते हुए इसे उद्यमियों के लिए व्यापक सहयोगी नेटवर्क बनाने की पहल बताया। गेस्ट स्पीकर सीए पंकज नेवतिया ने 'थिंकिंग बिग' विषय पर प्रेरक विचार रखते हुए कहा कि बड़े लक्ष्य, सुनियोजित सोच और मजबूत नेटवर्क व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। स्पीड नेटवर्किंग सत्र आयोजन का प्रमुख आकर्षण रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने कम समय में अनेक नए व्यावसायिक संपर्क बनाए। फरवरी 2026 में स्थापित अग्रोहा उदयपुर चैप्टर के सदस्यों के बीच छह माह से कम अवधि में 40 लाख रुपये से अधिक का व्यवसाय होना इसकी सक्रियता और ''मेम्बर्स हेल्पिंग मेम्बर्स'' संस्कृति का प्रभावी उदाहरण है।

रिपोर्ट/ फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

भागदौड़ भरी जिंदगी में जिंदा रखा शौक, जुनून ने दिलाया राष्ट्रीय मुकाम

फोटोग्राफी में संजय धाकड़ ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान, परिवार की अगली पीढ़ी भी रचनात्मक क्षेत्र में सक्रिय

उदयपुर. शाबाश इंडिया

सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कार्यरत संजय धाकड़ ने अपने जुनून, निरंतर अभ्यास और रचनात्मक सोच के दम पर फोटोग्राफी के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। उनकी उपलब्धियां साबित करती हैं कि यदि व्यक्ति अपने शौक को समय, समर्पण और सीखने की ललक के साथ आगे बढ़ाए, तो यही शौक सफलता का माध्यम बन सकता है। धाकड़ को नवलखा महल संस्कृति केंद्र, उदयपुर द्वारा आयोजित ''मेरी नजरों से आजाद भारत'' विषयक फोटोग्राफी प्रतियोगिता में पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा मिलन फोटोग्राफिक सोसायटी, जबलपुर द्वारा स्वर्गीय शशिन यादव की स्मृति में आयोजित फोटो प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी-2026 में उन्हें रंगीन वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार मिला। इससे पूर्व पृथ्वीराज फाउंडेशन, अजमेर की ''परिपक्व नेशनल फोटो कॉन्टेस्ट-2023'' में ''वाइब्रेंट कलर ऑफ राजस्थान'' थीम पर भी वे पुरस्कृत हो चुके हैं। फोटोग्राफी के साथ धाकड़ सामाजिक सरोकारों से भी जुड़े हैं और विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज सेवा में योगदान दे रहे हैं। उनका मानना है कि सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ व्यक्ति को अपनी रचनात्मक रुचियों और प्रतिभाओं को भी जीवित रखना चाहिए। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी धाकड़ सक्रिय रहे हैं। भारतीय पत्रकार संघ 'एआईजे' द्वारा वर्ष 2023 में पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। उनके लेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहे हैं, जिनमें सामाजिक जागरूकता, समसामयिक मुद्दे, सामाजिक चिंतन, मानसिक स्वास्थ्य एवं समाधान जैसे विषय शामिल हैं। सूचना प्रौद्योगिकी आधारित पाठ्य-पुस्तक तथा कृषि विषयक लेखों के माध्यम से भी उन्होंने अपने ज्ञान और अनुभव साझा किए हैं। धाकड़ का मानना है कि भागदौड़ और तनाव से भरी जिंदगी में व्यक्ति को स्वयं के लिए भी समय निकालना चाहिए। जिम्मेदारियों के बीच शौक और रचनात्मक रुचियों को जीवित रखना मन को ऊर्जा देता है और जीवन में सकारात्मकता बनाए रखता है। उनके अनुसार स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर अभ्यास, नई तकनीक सीखने की ललक, सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प सफलता की महत्वपूर्ण कुंजी हैं। फोटोग्राफी के प्रति उनका जुनून परिवार में भी दिखाई देता है। उनकी पुत्री विदुषी धाकड़ ने ''अंतर्राष्ट्रीय नजर फोटो एग्जीबिशन-2023'' में पहचान बनाई, जबकि पुत्र तन्मय धाकड़ ''म्हारो रियलमी राजस्थान'' फोटोग्राफी प्रतियोगिता-2023 में पुरस्कृत हो चुके हैं। धाकड़ का कहना है कि पेशेवर जीवन के साथ परिवार, समाज, स्वास्थ्य और रुचियों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उनकी उपलब्धियां न केवल उदयपुर के लिए गौरव का विषय हैं, बल्कि उन युवाओं के लिए भी प्रेरणा हैं, जो व्यस्त जीवन के बीच अपने हुनर और शौक को आगे बढ़ाने का सपना देखते हैं।

गायत्री नगर में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक मनाया

निर्वाण लाडू अर्पित कर की आराधना, पूर्व एवं वर्तमान मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्षों का हुआ सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन मंदिर, गायत्री नगर में मंदिर प्रबंध समिति के तत्वावधान में 19 अगस्त को 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। प्रातः 6:15 बजे प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य सौधर्म इंद्र बनकर अशोक-मनीष बड़जात्या परिवार को प्राप्त हुआ। इसके बाद भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक के अवसर पर सौधर्म इंद्र परिवार की ओर से सामूहिक रूप से निर्वाण लाडू अर्पित किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह ने बताया कि गायत्री नगर में प्रत्येक तीर्थंकर का मोक्ष कल्याणक श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाता है। युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने बताया कि निर्वाण लाडू अर्पण के बाद समाज के गणमान्यजन एवं महिला-पुरुषों ने सामूहिक आरती की। इस अवसर पर कल्याण मंदिर स्तोत्र विधान कराया गया, जिसमें उपवास कर रही बालिकाओं ने पूजा-अर्चना की। शाम को सामूहिक आरती, स्वाध्याय एवं 48 दिवसीय भक्तामर पाठ के दौरान दीप प्रज्वलन किया गया। समारोह में मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सौधर्म इंद्र परिवार का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। साथ ही 1999 से अब तक मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष रहे पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। समस्त मांगलिक क्रियाएं विधानाचार्य पं. अजीत शास्त्री ने संपन्न कराईं। इस अवसर पर उदयभान जैन बड़जात्या के जन्मदिन पर उनके उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करते हुए तिलक, माला, दुपट्टा एवं पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया गया।

भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक पर डडूका में हुआ पार्श्वनाथ विधान

निर्वाण महोत्सव पर भक्तों ने चढ़ाया निर्वाण लाडू, 64 अर्घ्य अर्पित कर विश्व शांति की कामना

डडूका, बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन मंदिर, डडूका में श्रावण शुक्ला सप्तमी (मुकुट सप्तमी) के अवसर पर जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर देवाधिदेव 1008 भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक महापर्व श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, पार्श्वनाथ विधान, निर्वाण कांड भाषा पाठ एवं निर्वाण लाडू अर्पण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। सुबह मूलनायक भगवान पर अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य शकुंतला-राजेंद्र पिंडारमिया, नौगामा परिवार को प्राप्त हुआ। मंदिर से विधान स्थल तक भगवान को विराजमान कराने का सौभाग्य पंकज-केशवलाल शाह परिवार को मिला। विधान स्थल पर अभिषेक एवं शांतिधारा प्रदीप सेठ ने की। विधान में मुख्य मंगल कलश की स्थापना अर्निका-राजेंद्र कोठिया ने की। इशान कलश रेखा-धनपाल सेठ, आग्नेय कलश शारदा-लक्ष्मीलाल शाह, नैऋत्य कलश कुसुम-अजीत कोठिया तथा वायव्य कलश रीता-राकेश शाह ने स्थापित किया। दीप प्रज्वलन अक्षत-मुकेश शाह ने किया। मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण लाडू हिमांशु-निवेश वस्तुपाल शाह परिवार ने अर्पित किया, जबकि निर्वाण लाडू की द्रव्य सामग्री वीरेंद्र-सागरमल शाह परिवार की ओर से प्रदान की गई। समाजजनों ने 64 अर्घ्य अर्पित कर सुभिक्ष एवं विश्व शांति की कामना की। कार्यक्रम में समाज अध्यक्ष राजेश शाह, युवा समिति अध्यक्ष चिराग शाह, जैन युवा समिति, प्रभावना महिला मंडल एवं पाठशाला परिवार के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। विधान में मंत्रोच्चार मनोज शाह एवं राजेंद्र कोठिया ने किया। यह जानकारी प्रवक्ता राकेश शाह ने दी।

अजीत कोठिया, डडूका-बांसवाड़ा की रिपोर्ट